बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ५:००] **(रविवार, २० जुलाई, २००३)** **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गए हैं।

(विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण)

प्र. १. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्य किसने, किससे तथा कब कहे हैं यह लिखें। ६

१. *''आपका यह व्रत आज से खत्म हुआ ।''*
२. *''उस पानी का आप क्या करेंगे ?''*
३. *''आज क्यों देरी हुई है ?''*

प्र. २. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रसंग को कारण सहित समजाईए। (नौ पंक्ति में) ६

१. *कल्याणदास विवाह की विवाहमंडप में से निकल गये ।*
२. *स्वयंप्रकाशानंद स्वामी साधु हुए ।*
३. *जेतलपुर की गणिका के हाथ में फोड़े हो गये ।*

प्र. ३. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) ८

१. *तीर्थों के तीन प्रकार ।* **अथवा** *सत्संगिजीवन ।*
२. *कृपानंद स्वामी ।* **अथवा** *सुराखाचर ।*

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ६

१. *गुणातीतानंद स्वामी ने वासना दूर करने का कौन-सा उपाय दिखाया है ।*
२. *आफ्रिका सत्संग मंडल के प्रणेता कौन थे ?*
३. *प्रमुख-स्वामी महाराज की मानसी पूजा करना, वह शास्त्रसंमत है, ऐसा कौन-से वचनामृत के आधार पर कह सकते हैं ?*
४. *महाराज को मारने के लिये जीवाखाचर ने किसको भेजा था ?*

५. *आत्यंतिक कल्याण कब होता है ?*
६. *साधु को कौन-सी इन्द्रिय विशेष रूप से जीतनी चाहिए ?*

प्र. ५. *भगवान और बड़े साधु को .....* **स्वामी की बात पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा** ५

वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण का ५४ **का निरूपण करें।**

प्र. ६. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखें । ५

प्रसंग : डोसाभाई

१. महाराज बोले, संसार आपको रोक सकेगा नहीं. २. उन्हें दीक्षा देकर घनश्यामानंद नाम दिया । ३. चिट्ठी पढ़कर डोसाभाई ने गेरुएँ कपड़े पहन लिये । ४. डोसाभाई ने घरको ताला लगाकर चाबी पड़ोसी को देते गये । ५. डोसाभाई ने कडिये की कसे तोड़ दी । ६. डोसाभाई वणिक ज्ञाति के थे और सबसे पहले सरधार रहते थे । ७. डोसाभाई व्यवहार में गले तक डूबे हुए थे । ८. वे सोने की मूठवाली मूल्यवान तलवार साथ में रखते थे । ९. डोसाभाई गुड़ की गाड़ियों का वजन करते थे । १०. बंधिया के जैन बनिये बारात लेकर गढड़ा आये थे ।

प्र. ७. (अ) निम्न में से किन्हीं दो पंक्ति को पूर्ण कीजिए । ४

१. *पंचरंगी पुष्पना ..... शोभे घणेरां ।*
२. *के दि देशो मां संसारी ..... इर्षा काई ।*
३. *वहाला तारा दंत ..... मीठुं गावता रे लोल ।*

(ब) निम्न में से किन्हीं दो को पूर्ण कीजिए । ४

१. *जनमंगल नामावलि में से रिक्त नाम पूर्ण करें ।*
   भक्तिनन्दनाय नमः ..... कालीभैर वाद्यतिभीषणाय नमः।
२. *निजात्मानं ..... सर्वदा ॥*
३. *शिक्षार्थमत्र ..... शरणं प्रपद्ये॥*

(विभाग - २ : गुणातीतानन्द स्वामी)

प्र. ८. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहते हैं यह लिखिए। (किन्हीं दो) **६**

१. ''इस फूलों की सुगंध लीजिए, इसमें तीर्थ मात्र आ गये ।''

२. ''मैं साधु हो जाऊँगा और सुंदरजी को भी मेरे साथ साधु बनाऊँगा ।''

३. ''काणु सिर पर तूत डालते हो ?''

प्र. ९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कारण सहित समझाईए।
(नौ पंक्ति में) **६**

१. श्रीजीमहाराज ने सोरठ देश के भक्तों को अपना अक्षरधाम बक्षीस में दिया ।

२. महाराज गुणातीतानंद स्वामी को उन्नीस बार भेंटे ।

३. नथु वालंद को मूलजी भक्त की महिमा समझाई ।

प्र. १०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषय पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) **८**

१. सद्‌गुरु कौन ?

२. दरिद्रता दूर हो गई ।

३. वेदांती का पराजय ।

प्र. ११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। **५**

१. काशी पढ़ने के लिये जाने के बारे में इंनकार करते हुए मूलजी ने वशराममामा को क्या कहा ?

२. गुणातीतानंद स्वामी कहाँ और कब धाम में गये ?

३. गोपालानंद स्वामी ने शिवलाल शेठ को अंतिम समय में क्या कहा ?

४. गुणातीतानंद स्वामी खाने के बाद भी कितने मठ खा गये ?

५. गुणातीतानंद स्वामी के जामीन होकर महाराज ने क्या कहा ?

प्र. १२. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग का वर्णन करके भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) **४**

१. दर्शन का खप ।

२. ''आपमें अखंड रहा हूँ ।''

३. ''सेवा करे वही महंत ।''

प्र. १३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । **६**

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गन्ने के वाढ में मूलजी भक्त को दर्शन देते हुए महाराज ने

(अ) सुनहरा मोलियुं धारण किया था ।

(ब) दक्षिणी पाघ पहनी थी ।

(क) जरकसी जामा पहना था ।

(ड) पीला पितांबर पहना था ।

२. महाराज के दर्शन के लिये गुणातीतानंद स्वामी

(अ) जोड़ के साधु को पाक का लड्डू दिया ।

(ब) गढ़डा से बरवाला तक दौड़े ।

(क) देह की परवाह किये बिना दौड़े ।

(ड) बारिश में दौड़े ।

३. गुणातीतानंद स्वामी ने किन-किन ब्रह्मस्थिति का अनुभव कराया ?

(अ) पीतांबरदास । *(ब) कुरजी दवे ।*

(क) धर्मस्वरूपानंद ब्रह्मचारी । *(ड) वाघाखाचर ।*

(विभाग - ३ : 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र. १४. निम्न में से किन्हीं तीन के बारे में बीस पंक्ति में विस्तृत टिप्पणी लिखिए । **२१**

१. अड़सठ तीरथ सद्‌गुरु चरणों में । **अथवा**
''मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है ।''

२. लक्ष्मीचंद शेठ । **अथवा** *स्वरूपानंद स्वामी ।*

३. गूँगे के मुख से वेदपाठ । **अथवा** *गुणग्राहक होना ।*